















## एक नजर

बरसात लगते ही मौसमी  
बीमारियों के मरीजों में वृद्धि

रायपुर, 16 जुलाई (मुख्य नगर संवादादाता)। मौसम बदलते ही अब जयधानी में संक्रामक बीमारियां ऐर पसार रही हैं। सबसे ज्यादा जलजनित रोग फैल रहा है। होटलों की नियमित सफाई नहीं होने से फूड पार्यजनिंग के मामले बढ़ रहे हैं। मेकाहारा की पीआरओ के अनुसार राजधानी के मेकाहारा, डीके अस्पताल में संक्रामक रोगों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए गए हैं। इस समय फूड पार्यजनिंग के केस सबसे ज्यादा आ रहे हैं। जलजनित रोग भी फैला रहा है। होटलों में सफाई नहीं होने के कारण मौसमी खिंचवाहों का डेरा रहता है। इससे अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं।

पानी नियमी हीनी होने के कारण लूज माझन होने की भी शिकायत आ रही है। इसके मरीज भी बड़ी संख्या में भर्ती हो रहे हैं। डीके अस्पताल एवं मेकाहारा में इनकी संख्या में वृद्धि हो रही है। मरीज पहले तो दवाई खाते हैं लेकिन दो-तीन दिन के अंदर यदि ठीक नहीं हुआ तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाता है। करोना के पश्चात बीमारिकल कालेज रायपुर जो कि भीभारी अंडेकल अस्पताल के नाम से जाना जाता है। एप्पूर नार नियम में निवारिंग यारी हो रही है। आधुनिक आईसीयू सहित अनेक आधुनिक उपकरण उत्तरब्ध हैं। इसके चलते मैरीजीन, सर्जरी विभाग में मरीजों का उचित उपचार हो रहा है।

### पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से

#### ज्यादा पौधारोपण करें : तनामंत्री

रायपुर, 16 जुलाई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बन मंत्री श्री केंद्रीय कल्याण परिषद ने सुकमा जिला मुख्यालय स्थित आकर आवासीय संस्था में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि इस मानसून के दौरान ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव-खेत-खलिहानों और शहरों को खूब हरा-भरा करने लोगों को प्रेरित भी करें। बन मंत्री श्री पौधारोपण ने ज्यादा कर्यालय के रायपुर में बड़-चबूत्र कर जुड़ने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी यथावत कर्यालय के इस अभियान में शामिल होकर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर श्री धर्मेन्द्र वार्सो, श्री हूंगाराम मरकम एवं अन्य जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी पौधारोपण किया।

#### वार्ड प्रकृत परीक्षा के लिए

#### प्रवेश पत्र जारी

रायपुर, 16 जुलाई। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल एवं हायर सेकेन्डरी डिलीप्रीय मुद्रा/अवसर परीक्षा 2024 के प्रवेश-पत्र मण्डल की बेबिसइट एवं संबोधित संस्था के पेटेल में अपलोड कर दिया गया है। मण्डल द्वारा जारी पत्र में निर्देश किया गया है कि संबोधित संस्था अपने संस्था से अग्रेषित परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र पोर्टल से डाउनलोड कर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विषयों को अनिवार्य रूप से मिलान कर ले। यदि किसी प्रकार कोई त्रुटी हो, तो इसके सूचना तालिका मण्डल कार्यालय को देने का निर्देश दिया गया है। मण्डल के तप संविधान द्वारा रायपुर के रायपुर में अवसर पत्र 20 जुलाई 2024 को जिले के समन्वय संस्था से वितरित किया जायेगा। वितरण दिनांक को समन्वय संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश पत्र करने के निर्देश दिए गए हैं।

#### राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य

रायपुर, 16 जुलाई। शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका जब शिक्षाविभ. डॉ. हेमलता एस मानव ने कहा कि नई शिक्षा नीति का ताल्या भारत को ज्ञान में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है किंतु उसकी जड़े भारत की संस्कृति एवं मूल्यों से बंधी हो। छत्तीसगढ़ की एस.सी.इ.आर.टी. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य है। उसका